शिव चरण माथुर

शिव चरण माथुर (14 फ़रवरी 1927 - 25 जून 2009) एक भारतीय राजनीतिज्ञ थे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता , वह 1981 से 1985 तक और फिर 1988 से 1989 तक राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे; बाद में, वह 2008 से 2009 तक असम के राज्यपाल रहे।

माथुर 14 जुलाई 1981 को राजस्थान के मुख्यमंत्री बने और 23 फरवरी 1985 तक इस पद पर रहे। भरतपुर की तत्कालीन रियासत के तत्कालीन प्रमुख राजा मान सिंह की हत्या के कारण राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया , जिसके कारण उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। इसके बाद , वह 20 जनवरी 1988 से 4 दिसंबर 1989 तक फिर से मुख्यमंत्री बने। 2003 में वह मांडलगढ़ (भीलवाड़ा) से विधायक चुने गए।

2008 में असम के राज्यपाल नियुक्त किए गए , वह 25 जून 2009 को हृदय गति रुकने से अपनी मृत्यु तक उस पद पर बने रहे।

व्यक्तिगत जीवन

शिव चरण माथुर का जन्म 1926 को एक कायस्थ परिवार में शिवरात्रि के पवित्र दिवस पर मध्य प्रदेश के गुना जिले के एक छोटे से गांव मढी कानूनगो (हाल अशोकनगर जिला) में हुआ था। प्रतिकूल पारिवारिक परिस्थितियों से मजबूर, शिव चरण, जब वह केवल चार वर्ष के थे , अपनी मां के साथ करौली के साथ अपने नाना, भंवर लाल की संरक्षकता में रहते थे।

राजनीतिक जीवन

राजस्थान छात्र कांग्रेस (1945-1947) के महासचिव

अध्यक्ष, नगरपालिका बोर्ड, भीलवाड़ा (1956-57)

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस समिति (1967) के सदस्य

अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के सदस्य (1972 से आज तक)

प्रमुख, जिला परिषद, भीलवाड़ा (1964-64)

तीसरे लोक सभा सदस्य (1964-1967)

सदस्य, राजस्थान राज्य विधान सभा (1967-72, 1972-77, 1980-85, 1985-90, 1 999-91, 1998-2003, 2003-)

राजस्थान विधान सभा के अध्यक्ष सार्वजनिक उपक्रम समिति (1980-81)

संयोजक, राजस्थान विधान सभा की नियम समिति (1985-87)

अध्यक्ष, राजस्थान विधान सभा की अधीनस्थ विधान समिति (1987-88)

राजनीति मंत्रिमंडल में शिक्षा, विद्युत, पीडब्ल्यूडी, जनसंपर्क मंत्री (1967-72)

राजस्थान मंत्रिमंडल में खाद्य और नागरिक आपूर्ति, कृषि मंत्री, पशुपालन, डेयरी और योजना मंत्री (1973-77)

राजस्थान के मुख्यमंत्री (1981-85 और 1988-89)

सदस्य, दसवीं लोकसभा (1991-9 6)

अध्यक्ष, विशेषाधिकार समिति, लोक सभा, (1991-96)

ऊर्जा, लोकसभा (1994-96) पर उप-समिति के संयोजक

सदस्य, कार्यकारी समिति, राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (1994-96)

जीवन अध्यक्ष, सामाजिक नीति अनुसंधान संस्थान, जयपुर (1985)

अध्यक्ष, अनुमान समिति, राजस्थान विधान सभा (1998 -2003)

अध्यक्ष, प्रशासनिक सुधार आयोग राजस्थान (1999 -2003)

सदस्य, राजस्थान विधान सभा की नियम समिति (2004)

2008 में असम के राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया , वह 25 जून 2009 को हृदय की से उनकी मृत्यु तक इस पद पर बने रहे।